दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३११ वा | गुरूवार १२ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

तलवार लेकर घूमने वाला युवक पुलिस की गिरफ्त में

बीड़, ११ जून (प्रतिनिधि):

पेठ बीड़ पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर तलवार लेकर घूमने वाले एक युवक को तत्काल कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नितीन मधुकर धुनघव (निवासी पिंपलगांव, हाल मुकाम पेठ बीड़) के रूप में हुई है।

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी खुलेआम तलवार लेकर घूम रहा है। इस पर सहायक पुलिस निरीक्षक नित्यानंद उबाळे, पुलिस उपनिरीक्षक सुभाष मोटे और पुलिसकर्मी नितीन माने, विष्णु गुज्जर तथा शरद पोकळे ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी को काबू में लिया।

इस मामले में पुलिसकर्मी विष्णु गुज्जर की शिकायत पर पेठ बीड़ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव महायुती के रूप में ही लड़ेंगे-चंद्रशेखर बावनकुळे

जहां जरूरत वहां अपने दम पर लड़ेंगे-प्रफुल्ल पटेल

मुंबई से रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई, ११ जून:

राज्य के राजस्व मंत्री और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे ने बुधवार को स्पष्ट किया कि आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव महायुती (भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट) के रूप में एकजुट होकर ही लड़े जाएंगे। केवल कुछेक स्थानों पर, जहां उम्मीदवारों को लेकर मतभेद हो सकते हैं, वहां मैत्रीपूर्ण मुकाबले होंगे, लेकिन ऐसे मामले अपवादस्वरूप ही होंगे।

बावनकुळे ने यह जानकारी सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट से मुंबई सेंट्रल स्थित उनके निवास पर भेंट के बाद पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव में जनता ने महायुती को भारी बहुमत से समर्थन दिया था, इसलिए आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भी हम महायुती के रूप में ही जनता के सामने जाएंगे। हमने जिला स्तर के नेताओं को निर्देश दिए हैं और वे अ प न े – अ प न े कार्यकर्ताओं को इस बारे में मार्गदर्शन दे रहे हैं।

जहां संभव होगा, वहां युती; नहीं तो स्वतंत्र लड़ेंगे – प्रफुल्ल पटेल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता प्रफुल्ल पटेल ने भी इस संदर्भ में बयान दिया कि स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव जहां संभव होगा, वहां युती के रूप में लड़ेंगे, और जहां नहीं हो सकेगा, वहां अपनी ताकत के बल पर चुनाव मैदान में उतरेंगे। कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का समर्थन

चंद्रशेखर बावनकुळे के इस बयान को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी समर्थन दिया है। उन्होंने कहा, हमारी भूमिका स्पष्ट है – हम महायुती के रूप में चुनाव लड़ेंगे। केवल कुछ ही स्थानों पर जहां युती संभव नहीं हो पाएगी, वहां मैत्रीपूर्ण मुकाबला होगा।

जल्द घोषित होगा चुनाव कार्यक्रम

राज्य में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों की घोषणा जल्द होने की संभावना है। अनुमान है कि ये चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होंगे। हाल ही में राज्य सरकार ने नगर निगमों को प्रभाग रचना (वार्ड रचना) के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद प्रशासन ने भी तैयारियां तेज़ कर दी हैं।

राजकोट किले पर छत्रपति शिवराय की नौसेना गाथा बताने वाला संग्रहालय और पर्यटन केंद्र विकसित होगा-अजित पवार

रिपोर्ट: विशेष संवाददाता, मुंबई

मुंबई, १२ जून:

मालवण तालुका (सिंधुदुर्ग जिला) के राजकोट किले पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के आसपास एक विशाल आरमार (नौसेना) संग्रहालय, प्रदर्शन गैलरी और पर्यटन केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह निर्णय बुधवार को मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

अजित पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस दूरदृष्टि से भारत की पहली नौसेना की नींव रखी, वह आज भी प्रेरणादायी है। उनका शौर्य, पराक्रम और रणनीतिक कौशल नई पीढ़ी को पता चलना चाहिए। हाल ही में ८३ फीट ऊँची प्रतिमा के कारण राजकोट किले को नया ऐतिहासिक और पर्यटन महत्व मिला है, और यहां पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

उन्होंने कहा, राजकोट किले में आने वाले पर्यटकों को शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित आरमार का इतिहास तथा उससे आधुनिक भारतीय नौसेना तक की विकास यात्रा जानने को मिले – इस उद्देश्य से किले परिसर में भव्य नौसेना संग्रहालय और पर्यटन केंद्र की स्थापना की जाएगी।

परियोजना से संबंधित निर्देश:

सार्वजनिक निर्माण विभाग को परियोजना प्रस्ताव का विस्तृत अध्ययन कर आगे की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

प्रस्तावित स्थल की जमीन यदि निजी स्वामित्व में हो, तो सामंजस्य और संवाद के माध्यम से अधिग्रहण प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

मत्स्यव्यवसाय व बंदर विकास मंत्री नितेश राणे ने इस परियोजना की पृष्ठभूमि और आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में उपस्थित गणमान्य:

इस बैठक में सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले, राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेशकुमार, योजना विभाग के डॉ. राजगोपाल देवरा, वित्त विभाग के ओ.पी. गुप्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग की अपर मुख्य सचिव मनिषा म्हैसकर, सांस्कृतिक कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास खारगे, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटणे, उपमुख्यमंत्री के सचिव डॉ. राजेश देशमुख, पुणे के विभागीय आयुक्त चंद्रकांत पुलकुंडवार, कोकण के आयुक्त डॉ. विजय सुर्यवंशी, सिंधुदुर्ग जिलाधिकारी अनिल पाटील, सातारा जिलाधिकारी संतोष पाटील, पुरातत्व विभाग के संचालक तेजस गर्गे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह संग्रहालय परियोजना शिवराय के समुद्री इतिहास को उजागर करने के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यटन को भी नया आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बच्चू कडू की मांगें मानी जाएं-सांसद बजरंग सोनवणेने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पासपोर्ट: बीड, ११ जून (प्रतिनिधि)

किसानों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं की समस्याओं को लेकर प्रहार जनशक्ती पार्टी के अध्यक्ष बच्चू कडू ने अन्नत्याग आंदोलन का रास्ता अपनाया है। यह आंदोलन आज चौथे दिन में प्रवेश कर चुका है। इसी बीच बीड के सांसद बजरंग सोनवणे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मांग की है कि बच्चू कडू की मांगों को तुरंत स्वीकार किया जाए।

बच्चू कडू ने ८ जून से राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की समाधि (मोझारी) के समक्ष आंदोलन शुरू किया है, जिसमें विभिन्न सामाजिक और किसान हितैषी मांगें शामिल हैं। इस आंदोलन को राज्यभर से व्यापक समर्थन मिल रहा है। बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गट) के प्रमुख शरद पवार ने खुद बच्चू कडू से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल लिया और उन्हें स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह भी दी।

इस पृष्ठभूमि में बीड के सांसद बजरंग सोनवणे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपील की है कि बच्चू कडू की सभी मांगों को शीघ्रता से स्वीकार किया जाए। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि बच्चू कडू के आंदोलन में कुल १७ प्रमुख मांगें शामिल हैं, जिनमें:

किसानों का सम्पूर्ण कर्ज माफ किया जाए

दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को ६००० मासिक मानधन दिया जाए

प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों का सम्पूर्ण कर्ज माफ किया जाए कृषि उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (चडझ) के साथ २०% अनुदान दिया जाए

इन मांगों के समर्थन में बच्चू कडू अन्नत्याग आंदोलन पर हैं। सांसद सोनवणे ने पत्र में स्पष्ट किया है कि ये सभी मांगें जनहित में हैं और राज्य सरकार को तुरंत सकारात्मक कदम उठाना चाहिए।

विधानसभा में 'मत चोरी' के खिलाफ आज कांग्रेस के मशाल मोर्चे राज्यभर में आयोजित

प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ गढ़चिरोली आंदोलन में होंगे शामिल

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई, १२ जून:

विधानसभा चुनाव में मतों की चोरी करके भाजपा-युति सरकार ने सत्ता हथियाई है, ऐसे गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार (१२ जून) को राज्यभर में मशाल मोर्चों के माध्यम से जनजागरण अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। कांग्रेस का कहना है कि यह एक सुनियोजित चुनावी घोटाला है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ गढ़चिरोली में होने वाले मशाल मोर्चे में भाग लेंगे, जबकि अन्य वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद, विधायक और पदाधिकारी राज्य के विभिन्न हिस्सों में आंदोलन में शामिल होंगे।

कांग्रेस ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी को बड़ी सफलता मिली और भाजपा युति का जनाधार कमजोर हुआ था। ऐसी परिस्थिति में विधानसभा चुनाव में भाजपा युति को अचानक बहुमत मिलना न केवल अविश्वसनीय है बल्कि संशयास्पद भी है।

कांग्रेस ने उठाए ये सवाल:

मतदान के दिन ५८% मतदान दर्शाया गया था, लेकिन अगले दिन यह आंकड़ा ६६.५% कर दिया गया, यानी ७.८३% की रहस्यमयी वृद्धि हुई।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह उठ चुके हैं।

चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी हों, लेकिन जब उसी पर शक होने लगे, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।

कांग्रेस का आरोप है कि यह चुनाव 'मैच फिक्सिंग' था और जनता के साथ विश्वासघात किया गया। पार्टी ने मांग की है कि विधानसभा चुनाव में हुई मत चोरी और चुनावी अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि लोकतंत्र की साख बची रह सके।

प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, इस आंदोलन में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता, वर्तमान और पूर्व सांसद, विधायक, पदाधिकारी और हजारों कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

राज्य शासन की सुधारना मुहिम से बाहर रहा गेवराई तालुका, सभी दलों के नेताओं को देना चाहिए ध्यान-समाजसेवक जे.डी. शाह

गेवराई, ११ जून (प्रतिनिधि):

राज्य सरकार द्वारा घोषित १०० दिवसीय प्रशासनिक सुधार विशेष मुहिम के अंतर्गत हाल ही में तालुका स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय कार्यालयों की सूची जारी की गई, लेकिन दो राष्ट्रीय महामार्गों और गोदावरी नदी के मध्य स्थित गेवराई तालुका का एक भी कार्यालय या अधिकारी इस सूची में शामिल नहीं हो सका। इससे प्रशासनिक कार्यक्षमता पर सवाल उठे हैं।

शिक्षा, सहकारिता, कृषि, सामाजिक जिम्मेदारी और उद्यमिता में अग्रणी रहने वाला तालुका यदि इस सूची में नहीं आ पाया, तो यह चिंता का विषय है। इसी को लेकर वरिष्ठ समाजसेवक जे.डी. शाह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से वर्तमान विधायक विजयसिंह पंडित, पूर्व मंत्री बदामराव पंडित, लोकप्रिय नेता बालराजे पवार, पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित, युवा नेता शिराज पवार और यशराज पंडित सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से आग्रह किया कि वे राजनीतिक मतभेद भुलाकर तालुका की समस्याओं की ओर गंभीरता से ध्यान दें।

गेवराई तालुका की उपेक्षा के पीछे कारण क्या?

शाह ने कहा कि जब कई छोटे और संसाधनहीन तालुके भी अपनी प्रशासनिक कार्यक्षमता के बल पर सूची में स्थान पा सके, तो गेवराई को क्यों नजरअंदाज किया गया? उन्होंने सवाल उठाया कि जनता दरबार और सरकारी बैठकों का आयोजन होते हुए भी उसका असर जनता को महसूस क्यों नहीं हो रहा?

योजनाओं की बदहाली:

जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद कई गांवों में नल कनेक्शन अधूरे हैं और जहां पूर्ण हुए हैं, वहां भी पानी नहीं आ रहा।

ठेकेदारों ने घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर अधूरे काम किए, जिससे योजना की गुणवत्ता और उद्देश्य दोनों पर पानी फिर गया। अन्य गंभीर समस्याएं:

घरकुल योजना: पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति मिलने के बावजूद अनेक प्रकल्प अधूरे पड़े हैं। देरी और प्रशासनिक उदासीनता प्रमुख कारण हैं।

शिवरस्ते और खेतपानी रस्ते: अतिक्रमण के चलते रास्ते संकरे हो गए हैं या उनका अस्तित्व ही समाप्त हो गया है।

अवैध खनन और वृक्षतोड़: रात के अंधेरे में खुलेआम रेत और गौण खनिजों का उत्खनन तथा बिना अनुमति बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई जारी है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही।

निकृष्ट दर्जे के निर्माण कार्य: ग्रामीण इलाकों में पिछले वर्षों की तुलना में सड़कें और विकास कार्य अब घटिया स्तर के हो रहे हैं। पीक विमा योजना में अनियमितताएं:

शाह ने सवाल उठाया कि २०२० की फसल बीमा राशि आज तक किसानों को क्यों नहीं मिली, जबकि सरकार ने आदेश जारी किए थे? तालुके के दो मंडलों में पिछले वर्ष अतिवृष्टि से नुकसान हुआ था, लेकिन उसकी भरपाई नहीं की गई। जनता को न्याय चाहिए: जे.डी. शाह ने मांग की कि प्रशासन को गंभीरता से यंत्रणा में सुधार करना चाहिए, काम की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यदि समय पर काम न हो, तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने अंत में कहा कि जो अधिकारी निष्ठा से काम कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहन, प्रशिक्षण और स्वतंत्र कार्य की सुविधा दी जानी चाहिए। वर्तमान में भूमि अभिलेख, कृषि, पंचायत समिति और स्वास्थ्य विभाग जैसे कार्यालयों में आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसलिए, सत्ताधारी और विपक्षी नेताओं को मिलकर प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार कर जनता को न्याय दिलाना चाहिए, ऐसी अपेक्षा जे.डी. शाह ने व्यक्त की है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

चाकरवाड़ी में वारकरी भक्तों का कुंभ और भक्ति का संगम-पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

संत ज्ञानेश्वर माऊली दादा की रजत पुण्यतिथि पर विशाल भक्ति महोत्सव का आयोजन

नेकनूर, ११ जून (प्रतिनिधि):

बीड़ जिले के पवित्र स्थल श्रीक्षेत्र चाकरवाड़ी में संत ज्ञानेश्वर माऊली दादा की २५वीं रजत पुण्यतिथि के अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मौके पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में लाखों भक्तों की उपस्थिति ने वातावरण को कुंभमेले का स्वरूप दे दिया।

पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम केवल सेवा भाव के कारण सफल हुआ है। उन्होंने माऊली दादा की समाधि पर आरती की और प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा का स्वागत करते हुए उनका आशीर्वाद लिया।

प्रसिद्ध रामायणाचार्य ह.भ.प. रामराव ढोक महाराज ने गुलाल कीर्तन के दौरान कहा कि माऊली दादा ने कभी भी भेदभाव नहीं किया, उन्होंने सबके लिए सरल मार्ग बताया और अंधविश्वास से मुक्त करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रदीप मिश्रा को माऊली की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

ढोक महाराज ने कीर्तन के दौरान संत सेना महाराज के अभंग

उदार तुम्ही संत, मायबाप कृपावंत

पर सुंदर चिंतन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि पुण्य आत्माओं की पुण्यतिथि भी पुण्य ही होती है और परोपकार ही सच्चा धर्म है।

जयदत्त क्षीरसागर ने कहा कि माऊली दादा ने समाज को भवसागर पार करने की विधि बताई है। उन्होंने कहा कि जात ना पूछो साधू की, देखो उसका ज्ञान इस दोहे को चरितार्थ करने वाले संत माऊली ने भक्ति का ऐसा मार्ग दिखाया जिसमें जात-पात का कोई भेद नहीं रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महंत लक्ष्मण महाराज मेंगडे, महंत महादेव महाराज चाकरवाडिकर, ह.भ.प. नारायण महाराज उत्तरेश्वर पिंपरीकर, ह.भ.प. रामभाऊ महाराज काजळे, ह.भ.प. नाना महाराज कदम, ह.भ.प. सुरेश महाराज जाधव, ह.भ.प. विठ्ठल महाराज आंधळे, शिवानंद महाराज गिरी सहित कई वरिष्ठ संत उपस्थित रहे।

इसके अलावा, महाराष्ट्र के प्रसिद्ध मृदंग वादक राम महाराज काजळे, गायनाचार्य संतोष महाराज सुंबळे, अभिमान महाराज ढाकणे, भारत महाराज मुरकुटे, मुंडे महाराज, माऊली महाराज आवटे, सतीश महाराज जाधव सहित नामांकित गायक और वादक मंडलियां भी इस भव्य उत्सव में उपस्थित थीं।

यह भक्ति महोत्सव चाकरवाड़ी को एक बार फिर भक्ति, सेवा और समर्पण का केंद्र बना गया।

तृतीय लिंग समुदाय की समस्याओं के समाधान के प्रति सरकार सकारात्मक-मंत्री संजय शिरसाट

रिपोर्ट: विशेष संवाददाता, मुंबई

मुंबई, ११ जून:

राज्य सरकार तृतीयपंथीय (ट्रांसजेंडर) समुदाय की समस्याओं के समाधान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और इसी उद्देश्य से महाराष्ट्र राज्य तृतीयपंथीय हक्कों का संरक्षण और कल्याण मंडल की स्थापना की गई है। इस मंडल के सदस्यों को बैठकों और दौरों के लिए मानधन प्रदान किया जाएगा, यह जानकारी सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने बुधवार को दी।

मंत्रालय में आयोजित इस मंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता स्वयं मंत्री शिरसाट ने की। बैठक में विधायक बालाजी किणीकर, आनंद बोंढारकर, अमोल मिटकरी (ऑनलाइन), सामाजिक

न्याय विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हर्षदीप कांबळे, बार्टी के महानिदेशक सुनील वारे, तथा मंडल की उपाध्यक्ष डॉ. सान्वी जेठवानी उपस्थित थे।

क्या बोले मंत्री शिरसाट:

उन्होंने कहा कि वर्षों से उपेक्षित तृतीयपंथीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य सरकार ने ११ मार्च २०२४ को विशेष नीति घोषित की है। इस नीति के तहत सभी विभागों की योजनाएं निर्धारित मानदंडों के अनुसार पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

इसके साथ ही:

मंडल की बैठकों के समय सामाजिक न्याय विभाग विश्रामगृह में आवास की व्यवस्था करेगा।

मुंबई में मंडल के कार्यालय हेतु स्थान उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी।

मंडल में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल कर विभागवार समितियाँ गठित की जाएंगी।

आवश्यकता के अनुसार मंडल की संरचना और नीतियों में सुधार भी किए जाएंगे, ताकि यह संस्था प्रभावी और पूर्ण रूप में कार्य कर सके।

मंत्री शिरसाट ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि तृतीयपंथीय समाज को सम्मान, अधिकार और समान अवसर मिले, और इस दिशा में यह मंडल एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

परभणी के मदीना नगर में रास्ते की मरम्मत के लिए एसडीपीआई ने मा ने पा आयुक्त को दिया निवेदन।

परभणी (प्रतिनिधी)

आज तारीख १० जून २०२५ बरोजे मंगल परभणी के वार्ड नंबर २ मदीना नगर के इलाके में मस्जिदें नूरुल कुरान के बाजू के रास्ते की मरम्मत के लिए एसडीपीआई कार्यकर्ताओं की जानिब से परभणी आयुक्त को निवेदन दिया गया, फोटोज ओर वीडियो में देखा जासकता है के रोड की हालत बहुत ज्यादा खराब है, नालियों का सारा पानी रस्ते पर आ रहा है साथ ही बारिश भी है, जिसकी वजह से रास्ते की हालत ये है लोग ईंटों पर से आने जाने के लिए मजबूर है, बूढ़े बुजुर्ग ओर महिलाओं को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, इसी रस्ते पर कई बुजुर्ग ओर महिलाएं हादसे का शिकार हुई है।

एसडीपीआई की जानिब से आयुक्त सर को निवेदन दिया गया ओर मसले की गंभीरता भी बताई गई, साथ ही ४ से ५ दिन में अगर नगर पालिका की तरफ से रास्ते की ओर नाली की मरम्मत नहीं गई तो मोहल्ले के लोगों से चंदा करके एसडीपीआई खुद अपने कैडरेस खुद रास्ते की मरम्मत करेंगे जिससे ये साबित होगा के महानगर पालिका हमारे इलाखे के मसाइल को हल करने के काबिल नहीं है।

इस दौरान मौजूद थे, मुफ्ती साजिद, सैयद मोहतसिम, सलाहुद्दीन चिश्ती, शेख जावेद आदी उपस्थित थे!

देशभर में एक बार फिर सक्रिय होगा मानसून; अगले चार दिनों में बारिश का जोर बढ़ेगा

११ जून २०२५ । संवाददाता

मौसम विभाग के अनुसार, आज से महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में मानसून फिर से सक्रिय होने जा रहा है, जिससे राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। विशेष रूप से दक्षिण महाराष्ट्र और तटीय कोकण क्षेत्र में तेज़ बारिश की संभावना जताई गई है।

अलर्ट का जिलेवार विवरण:

मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में येलो अलर्ट जारी किया गया है। ठाणे, पालघर, धुले, जळगांव, नंदुरबार, बुलढाणा और कोकण (सिंधुदुर्ग को छोड़कर) सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि पालघर और नंदुरबार को छोड़कर बाकी जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा, सांगली और कोल्हापुर जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नाशिक, धुले, नंदुरबार और पालघर को छोड़कर बाकी जिलों में येलो अलर्ट रहेगा।

रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे और सातारा जिलों में ऑरेंज अलर्ट, जबकि मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ भागों में येलो अलर्ट रहेगा।

राज्य में फिर बढ़ेगा बारिश का दौर

पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी थी, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बीते दिनों बारिश में कुछ कमी देखी गई थी, लेकिन अब मौसम विभाग ने एक बार फिर जोरदार बारिश की चेतावनी जारी की है।

प्रादेशिक मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के आंतरिक क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में २-३ डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। अगले तीन से चार दिनों में कोकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में मानसून पुनः सक्रिय होकर मध्यम से तेज़ बारिश का रूप लेगा।

भारतीय मौसम विभाग (खचऊ) के पूर्वानुमान के अनुसार, १२ जून से देशभर में मानसून सक्रिय हो जाएगा और पश्चिमी तटों पर बारिश का दबाव तेज़ी से बढ़ेगा। कोकण और मध्य महाराष्ट्र में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

राज्य में उमस और गर्मी में भी इजाफा हुआ है, और कई क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ बादल छाए हुए हैं, जिससे मानसून की सक्रियता के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं।

४८ घंटे में चोरी की गुत्थी सुलझी, १०.५० लाख रुपये का सोना बरामद-बीड़ पुलिस की उत्कृष्ट कार्यवाही

बीड़, ११ जून (प्रतिनिधि):

दिनांक ८ जून २०२५ को डॉक्टर लक्ष्मीकांत आंधळे के घर में, उनके बाहर जाने के दौरान अज्ञात चोर ने अलमारी में रखे ११ तोला सोने के गहनों-जिसमें चेन, गंठण और अंगूठी शामिल थीं-की चोरी कर ली थी। दिन-दहाड़े हुई इस चोरी ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी।

हालांकि, सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने क्षेत्र में संदिग्धों की गतिविधियों का बारीकी से अध्ययन किया। जांच के बाद एक महिला को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की बात स्वीकार की, और उसके पास से पूरा चोरी हुआ सामान बरामद कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम लक्ष्मी प्रमोद वडमारे (निवासी पंचशील नगर, बीड़) बताया गया है। चोरी हुए आभूषणों की बरामदगी से शिकायतकर्ता ने संतोष व्यक्त किया है।

इस सफल कार्यवाही के पीछे पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत कांवत और अपर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन पांडकर के मार्गदर्शन का बड़ा योगदान रहा। उनके निर्देशों के अनुसार बीड़ शहर पुलिस स्टेशन के निरीक्षक श्री शीतलकुमार बल्लाळ, सहायक निरीक्षक श्री बाबा राठौड़, और पुलिसकर्मी संजय राठौड़, मनोज परजणे, गहिनीनाथ बावनकर तथा राम पवार ने अथक प्रयास कर अपराध का खुलासा किया।

उमराह सीज़न की शुरुआत: सऊदी अरबने उमराह वीज़ा जारी करने का किया ऐलान

११ जून २०२५ । स्रोत: हैदराबाद (दक्कन फ़ाइल्स/वेब डेस्क)

हज सीज़न की सफल समाप्ति के बाद, सऊदी अरब ने १४४७ हिजरी के नए उमराह सीज़न की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा कर दी है। उमराह वीज़ा जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, और विदेशी ज़ायरीनों के लिए वीज़ा अब फिर से उपलब्ध होंगे।

सऊदी अरब की हज और उमराह मंत्रालय के अनुसार, १० जून (मंगलवार) से उमराह सीज़न का शुभारंभ हो चुका है। मंत्रालय ने बताया कि ज़ायरीनों के लिए उमराह परमिट नुसुक (छ्रींीज़) मोबाइल ऐप के माध्यम से जारी किए जाएंगे।

नुसुक एप्लिकेशन की विशेषताएं:

उमराह परमिट की सहज बुकिंग और प्राप्ति

डिजिटल सेवाओं का समावेश

उमराह अनुभव को आसान और सुगम बनाने की पहल

मंत्रालय ने यह भी बताया कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का उद्देश्य उमराह ज़ायरीनों को अधिक सुविधा देना और उनके धार्मिक अनुभव को बेहतर बनाना है।

गौरतलब है कि हज सीज़न की शुरुआत के साथ ही अप्रैल २०२५ में उमराह वीज़ा अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए थे, और २९ अप्रैल तक सभी विदेशी ज़ायरीनों को सऊदी अरब छोड़ने का निर्देश दिया गया था। अब हज की समाप्ति के साथ ही उमराह की राह फिर से खोल दी गई है।

यह कदम दुनियाभर के मुसलमानों के लिए राहत भरा है जो हज के बाद उमराह अदा करने के इच्छुक हैं।

इज़राइली अत्याचारों के खिलाफ 'ग़ज़ा ग्लोबल मार्च' का आगाज़, ५० देशों के हज़ारों इंसाफ़पसंद लोग हुए शामिल

११ जून २०२५ । संवाददाता

ग़ज़ा पर इज़राइल की नाकाबंदी और लगातार हो रहे अत्याचारों के खिलाफ दुनिया भर के ५० से अधिक देशों से आए हज़ारों लोगों ने 'ग्लोबल मार्च टू ग़ज़ा' की शुरुआत कर दी है। इस वैश्विक मार्च में मुसलमानों के अलावा बड़ी संख्या में ईसाई, यहूदी, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर, छात्र संगठन, मानवाधिकार संस्थाएं और मजदूर यूनियनें शामिल हैं।

मार्च का उद्देश्य:

ग़ज़ा के पीड़ितों से एकजुटता प्रकट करना

मानवीय सहायता पहुँचाना

इज़राइल द्वारा की जा रही नाकेबंदी को समाप्त करने की माँग

इस शांतिपूर्ण मार्च की शुरुआत मिस्र की राजधानी काहिरा से रफ़ा बॉर्डर की ओर हुई है, जहाँ १५ जून को एक विशाल धरना दिया जाएगा। इसका मकसद मिस्र सरकार और संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बनाना है ताकि ३००० से अधिक राहत ट्रकों को ग़ज़ा में प्रवेश की अनुमति दी जा सके।

वैश्विक भागीदारी:

मार्च में शामिल सभी प्रतिभागी स्वैच्छिक रूप से और अपने खर्च पर शामिल हुए हैं।

तीन अलग-अलग वीडियो लिंक में इस ऐतिहासिक मार्च के दृश्य देखे जा सकते हैं

तुनिशिया से भी एक बड़ा जत्था रवाना हुआ है जिसमें छात्र, पत्रकार, डॉक्टर और पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिशनों के प्रतिभागी शामिल हैं। यह कारवां लीबिया के रास्ते काहिरा पहुंचेगा और वहाँ से ग़ज़ा बॉर्डर पर हो रहे मुख्य वैश्विक मार्च में शामिल होगा।

आयोजकों का संदेश:

मार्च के आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह राजनीति, धर्म या किसी सरकार से जुड़ा नहीं है, बल्कि मानवता की आवाज़ है। उन्होंने कहा,

यह सिर्फ एक बॉर्डर मार्च नहीं, बल्कि दुनिया को यह बताने का आंदोलन है कि ग़ज़ा के लोग अकेले नहीं हैं। हम सब उनके साथ हैं।

यह वैश्विक मार्च ग़ज़ा के समर्थन में अब तक के सबसे बड़े, समन्वित और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आंदोलनों में से एक माना जा रहा है।

सरकार नींद का नाटक कर रही है, किसानों को किया जा रहा है नजरअंदाज-राजेभाऊ फड

परळी वैजनाथ (प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र में हर साल हजारों किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मेहनतकश और मजदूर वर्ग के पास रोजगार नहीं है। विकलांग, विधवा, परित्यक्ता और निराश्रितों के मुद्दे बड़ी संख्या में लंबित हैं जिससे उनका जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। यदि पालनकर्ता खुद सरकार ही निद्रावस्था में है, तो जनता की सुनवाई कौन करेगा? चुनाव के दौरान बड़ी-बड़ी सभाओं में वादों की झड़ी लगाई जाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उसी महाराष्ट्र की जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है।

इन्हीं ज्वलंत मुद्दों को लेकर पूर्व मंत्री बच्चूभाऊ कडू को आंदोलन करना पड़ रहा है, यह अपने आप में सरकार की नाकामी और जनता को धोखा देकर सत्ता में आई बेईमान सरकार की असफलता का प्रमाण है। यह बात राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार गट) के नेता राजेभाऊ फड ने कही। उन्होंने पूर्व राज्यमंत्री बच्चूभाऊ कडू के अनशन आंदोलन को समर्थन देने के लिए पत्र लिखकर अपनी भावनाएं प्रकट की हैं।

राजेभाऊ फड ने अपने पत्र में लिखा कि परळी विधानसभा क्षेत्र की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गट) बच्चूभाऊ कडू के अनशन आंदोलन को पूर्ण समर्थन देता है। बच्चूभाऊ कडू हमेशा आम जनता के मुद्दों पर संघर्ष करते आए हैं। उनके सभी आंदोलन निस्वार्थ भाव से किए गए हैं, जिनमें समर्पण और त्याग की भावना स्पष्ट दिखाई देती है।

इस समय वे राज्य की जनता के हित में तीव्र अनशन आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन इतने दिन बीत जाने के बावजूद भी सरकार की आंखें नहीं खुली हैं। यह साफ दर्शाता है कि यह सरकार जनहित में नहीं बल्कि स्वार्थ में काम कर रही है। बच्चूभाऊ कडू की सभी मांगें न्यायसंगत और जनकल्याण की दृष्टि से उचित हैं।

हमारे नेता शरदचंद्र पवार ने भी इस आंदोलन को समर्थन दिया है। यदि बच्चूभाऊ कडू की तबीयत बिगड़ती है तो इसके लिए यह राज्य सरकार पूरी तरह जिम्मेदार होगी। यदि सरकार ने हमें मजबूर किया, तो हम सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को भी तैयार हैं, ऐसा स्पष्ट इशारा राजेभाऊ फड ने किया है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com